झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

ए0 मी0 पी0 डब्लू को शीघ्र विभाग द्वारा काम पर वापस लिया जाऐगा – के0 विद्यासागर

रांची : दिनांकः 25/04/2015 नामकोम के आर0सी0एच0 परिसर स्थित आइ0पी0एच0 सभागार में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव **के0 विद्यासागर** के द्वारा विश्व मलेरिया दिवस समारोह उद्घाटन किया गया। इस समारोह में राज्य के सभी 24 जिलों से मलेरिया नियंत्रण के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले सहिया, प्रयोशाला प्रावैधिक एवं मलेरिया तकनीकी पर्यवेक्षकों को पुरस्कृत किया गया। निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य निदेशालय, डा0 सुमन्त मिश्रा के द्वारा क्षेत्रों से आये सभी कर्मियों, एवं विभागीय पदाधिकारियों का स्वागत किया गया एवं विश्व मलेरिया दिवस के बारे में विस्तृत रूप से बतलाया गया।

समारोह का उद्घाटन करते हुए स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव के0 विद्यासागर ने कहा कि मलेरिया नियंत्रण को हमें Challenge के रूप में लेना होगा। उन्होंने कहा कि विगत वर्षो की तुलना में वर्ष 2014 में Pf मलेरिया के मरीजों की संख्या बढ़ी है जो चिन्ता का विषय है। मलेरिया नियंत्रण हेतु रणनीति तैयार कर कार्य करना होगा। प्रमुख रणनीति निम्नांकित प्रकार से होंगें –

1. कर्मियों का Rational Deployment.
2. रिक्त पड़े नियमित पदों पर त्रीव गति से नियुक्ति की प्रक्रिया करते हुए तीन माह में यह कार्य कर लिया जाना चाहिए।
3. मलेरिया पहचान के लिए स्वास्थ्य उपकेन्द्रों/सहियाओं एवं आँगनबाड़ी सेविकाओं के माध्यम से रैपिड डायग्नॉस्टि टेस्ट किट के द्वारा जाँच कर ACT दवा से उपचारित करना।
4. आगामी माह में होने वाले कीटनाशी (DDT) का छिड़काव पूर्ण तैयारी के साथ करना। इसमें संसाधन की कोई कमी नही होने दी जायेगी।
5. पल्स पोलियो के तर्ज पर मलेरिया नियंत्रण के लिए प्रचार–प्रसार करना होगा।
6. अंतरविभागीय समन्वय – (विशेष कर शिक्षा विभाग) पर कार्य करना होगा।
7. प्रशिक्षण एवं प्रचार–प्रसार कार्य के लिए सभी विधालयों एवं आवासीय विधार्थियों को साथ लेना होगा। ये विधार्थी तेजी से स्वयं तो प्रशिक्षत होंगें ही अपने परिवार के सदस्यों को भी जानकार बना सकते है। हमें सभी अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों, उपकेन्द्रों में मलेरिया रोधी दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए लोगों को यह जानकारी भी देनी होगी कि मलेरिया की जाँच एवं दवा मुफ्त में उपलब्ध है। शहरी क्षेत्रों में लोगों को जागृत कर मलेरिया से बचा जा सकता है।
8. मलेरिया से बचने की जानकारी वाला जागरूकता कार्ड का विमोचन किया गया।

ए0 म0 पी0 डब्लू के बारे मे उन्होनें कहा कि, शीघ्र ही पदवार कमेठी गठित कर स्वास्थ्य विभाग में उनकी सेवा लेने के लिए कैबिनेट से ए0 म0 पी0 डब्लू पद की मंजूरी ली जाऐगी, जो लोग चयनित प्रकिया को पूरा करेगें उन्हे विभाग मे रखा जाएगा।

इस समारोह में स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव श्री रमेश कुमार दूबे, उपसचिव श्री राम कुमार सिन्हा, राज्य मलेरिया पदाधिकारी डा0 पुष्पा मारिया बेक, क्षेत्रीय मलेरिया पदाधिकारी (द0 छो0 प्रमण्डल) डा0 आर0 के0 लाल सहित स्वास्थ्य निदेशालय के सभी निदेशक, अपर निदेशक, उप निदेशक, आर0सी0एच0/मलेरिया, IPH स्वास्थ्य निदेशालय आदि कार्यालय के सभी कर्मी इस समारोह में शामिल हुए। धन्यवाद ज्ञापन डा0 प्रदीप बासकी, उपनिदेशक, स्वास्थ्य द्वारा किया गया।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग